

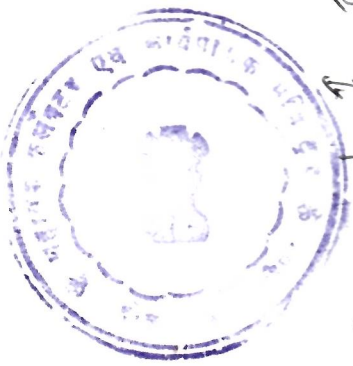
है जो बाद में (बाद) ...
सिखा दिया जाता है तथा बाद में ग्रामी (ब-न. 1858
0-81)

1859, 1860, 1861 व 1862 है। ग्रामी की प्रतिवादी के
0-57, 0-37, 0-21, 0-27

को से कम की जाकर वादी के खाते पर की राशि छोड़ना ही
जारी है। उद्योगिक क्षेत्र के अंदर दिखे जाते हैं कि उद्योगिक
प्रतिवादी के खाते पर का भी जाकर वादी के खाते में रकम
किया जावे। फलतः उद्योगिक क्षेत्र की उद्योगिक प्रतिवादी

पदा छिपी जारी है। फलतः फलतः शुभारंभ

नम्बर से कम ही खाता देना ही प्रविष्ट लेख
प्रदा है। निर्वाप खाता में जो राशि अर्थात् नमूने को
देखकर का के नाम से काम के लिए वाप जाकर
प्रत्यापन भी।



(Signature)

सहायक कमिश्नर
शुभ